BPSC-105: तुलनात्मक सरकार और राजनीति का परिचय
(ट्यूटर द्वारा मूल्यांकित सत्रीय कार्य)
सत्रीय कार्य कोड: BPSC-105/ASST/TMA/2026-27
अंक: 100

सभी खंडों से प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. तुलनात्मक पद्धति और तुलना की प्रमुख रणनीतियों की व्याख्या कीजिए। राजनीतिक विश्लेषण में उनकी उपयोगिता का आकलन कीजिए।

2. पूंजीवाद और उदारवादी लोकतंत्र की तुलना समाजवाद और समाजवादी राज्य की कार्यप्रणाली से कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

(3 × 10 = 30 अंक)

3. तुलनात्मक राजनीति में व्यवस्था उपागम (Systems approach) की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

4. विकासशील विश्व में विऔपनिवेशीकरण (Decolonisation) और राज्य के उदय की व्याख्या कीजिए।

5. यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) में संसदीय सर्वोच्चता और कानून के शासन का परीक्षण कीजिए।

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

(5 × 6 = 30 अंक)

6. राजनीति के तुलनात्मक अध्ययन की प्रकृति, क्षेत्र और उपयोगिता

7. संस्थागत उपागम (Institutional approach)

8. ब्राजील में निर्भरता और विकास

9. ब्राजील और नाइजीरिया में संघवाद

10. चीन में कम्युनिस्ट पार्टी की भूमिका

1. तुलनात्मक पद्धति और तुलना की प्रमुख रणनीतियों की व्याख्या कीजिए। राजनीतिक विश्लेषण में उनकी उपयोगिता का आकलन कीजिए।

उत्तर

राजनीति विज्ञान में तुलनात्मक पद्धति वह व्यवस्थित तरीका है जिसके माध्यम से दो या अधिक राजनीतिक व्यवस्थाओं, संस्थाओं, प्रक्रियाओं तथा व्यवहारों की समानताओं और भिन्नताओं का अध्ययन किया जाता है। केवल यह कहना कि दो देशों में संसद है, पर्याप्त नहीं है; यह जानना भी आवश्यक है कि उनकी संसदें कैसे काम करती हैं, किन परिस्थितियों में प्रभावी बनती हैं और उनका नागरिकों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार तुलना राजनीतिक घटनाओं का वर्णन करने के साथ उनके कारणों, परिणामों और व्यापक प्रवृत्तियों को समझने का प्रयास करती है। अरस्तू द्वारा संविधानों के अध्ययन से लेकर आधुनिक राजनीतिक समाजशास्त्र तक इस पद्धति का महत्त्व बना रहा है। आज इसका क्षेत्र औपचारिक सरकारों से आगे राजनीतिक दलों, आंदोलनों, सामाजिक वर्गों, पहचान, सार्वजनिक नीतियों और राजनीतिक संस्कृति तक फैल चुका है।

तुलनात्मक पद्धति का अर्थ और आधार

तुलनात्मक अनुसंधान में पहले एक स्पष्ट प्रश्न बनाया जाता है, जैसे किन परिस्थितियों में लोकतंत्र स्थिर रहता है या कुछ संघीय व्यवस्थाओं में केंद्र अधिक शक्तिशाली क्यों होता है। फिर तुलना के लिए उपयुक्त इकाइयाँ—देश, प्रांत, संस्थाएँ, कालखंड या समुदाय—चुनी जाती हैं। उनके लिए समान अर्थ वाले संकेतक निर्धारित किए जाते हैं। चुनावी प्रतिस्पर्धा, नागरिक स्वतंत्रता, आर्थिक असमानता, प्रशासनिक क्षमता और राजनीतिक भागीदारी ऐसे संकेतक हो सकते हैं। विश्वसनीय ऐतिहासिक विवरण, संवैधानिक दस्तावेज, चुनाव-आँकड़े, जनमत सर्वेक्षण तथा क्षेत्र-अध्ययन से साक्ष्य लेकर उनकी व्याख्या की जाती है। यहाँ प्रमुख सावधानी यह है कि अलग समाजों पर एक ही अवधारणा लागू करते समय उसके स्थानीय अर्थ की उपेक्षा न हो।

तुलना की प्रमुख रणनीतियाँ

सबसे समान व्यवस्थाओं की रणनीति में ऐसे देशों या क्षेत्रों का चयन होता है जिनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, आर्थिक दशा या सामाजिक संरचना काफी मिलती-जुलती है, लेकिन जिस परिणाम को